

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। मेरा निवेदन यह है कि इन्होंने यह कहा कि संपूर्ण उत्तर प्रदेश की जो सरकार है वह अपराधियों का संरक्षण कर रही है और इस पर आपने जो व्यवस्था दी है कि माननीय मंत्री जो इनकी भावनाओं से सरकार को अलग करा देंगे। मेरा निवेदन यह है कि, इनकी जो भावना है उसका कोई आधार नहीं है। इसके लिए किसी व्यक्ति को कहें, किसी मंत्री को कहें, जो प्रधिकारी हैं—उनको कहें, लेकिन सारी उत्तर प्रदेश की सरकार को . . . (व्यवधान) . . .

**उपसभापति :** मैंने यह कहा, आप कुछ देख रहे थे, आप पूरी बात सुनिए। मैंने कहा कि मंत्रीजी यह भावना सरकार को पहुंचाएं जोकि यहां हाऊस में उठायी है, जानकारी करें और जो अपराध हों, उनको सजा दे

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** पहले आपने कहा था।

**उपसभापति :** बाद में भी वहीं बात कही।

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** उस व्यवस्था के बाद सत्या बहिन ने यह प्रश्न उठाया।

**उपसभापति :** अपराधी हैं तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए। अपराधी नहीं होंगे तो सजा कैसे मिलेगी?

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** सारी सरकार अपराधी है, यह कहना गलत है।

**उपसभापति :** मालवीय जी, आप भी अपराधियों को नहीं बचाएंगे, इसलिए जो अपराधी हैं उन्हें पकड़े जाने दीजिए . . . (व्यवधान) . . . मालवीय जी, जो अपराधी हैं, वे जरूर पकड़े जाने चाहिए और जो नहीं हैं वे तो छूट ही जाएंगे।

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** सारी सरकार को अपराधी कहना—इसका कोई आधार नहीं है और जिस चीज का कोई आधार नहीं है, उस पर कोई व्यवस्था नहीं दी जानी चाहिए।

**श्रीमती सत्या बहिन :** जो हत्याएं व

बलात्कार बढ़ रहे हैं उसके लिए पूरी सरकार जिम्मेदार है।

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** सरकार जिम्मेदार है, लेकिन सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है, इसको मैं नहीं मानता।

**श्रीमती सत्या बहिन :** महोदयों मैं आशा करता हूं कि सरकार संरक्षण दे रही है। इसकी जिम्मेदारी केन्द्र सरकार का है। महोदयों, इस बात के निर्देश दिए जाएं केन्द्र सरकार उनकी दिशागत दे कि वह अपराधियों को मदद देना बंद करे। यह हर जिले में हो रहा है। मैं आपको प्रमाण देने के लिए तैयार हूं।

**श्री शांति त्यागी (उत्तरप्रदेश) :** सब खुले पन रहे हैं।

**उपसभापति :** सरकार अपने जिम्मेदारी को समझेगी।

**श्रीमती सत्या बहिन :** दुःख यह है कि समझ नहीं रही है।

**श्री शांति त्यागी :** कब तक समझेगी?

**उपसभापति :** मैं तो आज कह दिया है।

[उपसभाध्यक्ष (श्री भा. फर अन्ना जी) पोठासोन हुए]

**Situation arising out of anti-reservation agitation in Delhi**

**श्री तुल्लु लाल शर्मा (हिमाचल प्रदेश) :** महोदयों, मैं आज अपने विशद उल्लेख के माध्यम से सरकार का ध्यान आख्यान विराधी आंदोलन से उपस्थित गंभीर परिस्थिति की ओर दिलाना चाहता हूं।

एक मंडल आयोग की सिफारिशों की लागू करने की घोषणा प्रधान मंत्री ने की थी तो उस समय भी यह आशंका व्यक्त की गई थी कि यह फैसला जल्दबाजी में किया जा रहा है। उसका जवाब देते हुए प्रधान मंत्री ने कहा था कि यह जल्दबाजी में नहीं किया जा रहा है। और इसका कन्सेंस बना है। मैं यह कहना चाहता हूं कि कन्सेंस तो बहुत-सी

[श्री कृष्ण लाल शर्मा]

वातों में बना है। राइट टू वर्क का कन्सेप्स है जिस पर कोई कंटावर्सी नहीं है। उस पर प्रधान मंत्री ने कहा कि इसके बारे में हम अन्य दलों से चर्चा करेंगे, बातचीत करेंगे, फिर आगे कदम उठाएंगे। लेकिन आरक्षण संबंधी मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने की घोषणा की गई, ता लोगों का समझ में नहीं आया कि क्या कम्प्लेसन था इस विषय में नल्दवर्जी में वापस करने का। इससे हमने सबसे बड़ी गलती यह की कि हमने अपने समाज का और देश को इसके लिए तैयार नहीं किया। हमने आर्गुमेंट उठाते कर दी और अभी तक यह क्लियरिटी नहीं है कि मंडल आयोग की सिफारिशें कहाँ लागू होंगी, कहाँ लागू नहीं होंगी और इसका कितना इम्पैक्ट होगा।

HEI T. A. MOHAMMED SAQHY (Tamil Nadu): The Mandal Commission Report has been there for the past ten years.

SHBI KRISHAN LAL SHARMA: I Know it. The Government itself is giving clarifications.

यह इंडोवर्स में लागू नहीं होगा, प्रदेशों में लागू नहीं होगा, केन्द्र में होगा—यह उनकी सफाई देना पड़ रही है। मेरा कहना यह है कि हम मंडल आयोग की सिफारिशों के पक्ष में हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि ज्यादातर दल, अधिकतर नेता इसके पक्ष में हैं। उसके बाद भी यह स्थिति पैदा हुई है कि हमने आभिस में सलाह-मशविरा किए बिना नल्दवर्जी में यह कदम उठाया और उसके कारण ये गलत फहमियाँ पैदा हुई हैं।

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): I want to know whether you are opposing the Mandal Commission Report.

SHRI KRISHAN LAL SHARMA: I have made it clear that I am not opposing the Mandal Commission Report. What I am saying is that the

situation which has arisen.... (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN rsmw BHASKAR ANNAJI MASODIS? He is asking the Government to "make the position clear."

S

श्री कृष्ण लाल शर्मा: इस बात का मुझे कुछ हद और सकार को इस बारे में बताना चाहिए क्योंकि एक चर्चा मिनिस्ट्र यह कह रहे हैं कि मंडल-कमिशन को रिपोर्ट में स्वीकार नहीं करता, संकेत मिल रहे हैं कि उनकी कैबिनेट में कुछ मतभेद हैं। मुझे लगता है कि रिजर्वी सावधानी रखनी चाहिए थी, रिजर्वी चर्चा बरनी चाहिए थी इसको लागू करते समय, नहीं हुई। कई चीजें ऐसी हैं, जिन्हें पर हम सहमत हैं, लेकिन एक फाइनल स्टेश है लागू करने की, उसमें चर्चा करना ज्यादा उपयोगी है। आर स्टूडेंट्स सड़कों पर हैं सारे देश में आरक्षण-विरुद्ध आंदोलन है। मैं सरकार से यह अपील करने का चाहता हूँ कि दमनकारी तरकों से अगर स्टूडेंट्स को दवाने का कोशिश की गई तो उसकी प्रतिश्रुति और ज्यादा होगी। अगर विद्यार्थियों में कोई आर्गुमेंट और भ्रम पैदा हो गए हैं तो उनकी बात चीज के लिए साफ बुलाएं, उनसे बात करेंगे। जहाँ तक मंडल कमिशन की रिपोर्ट को लागू करने का है, I am again saying that we are not against the recommendations of the Mandal Commission.

उसमें सिर्फ हमने प्राथमिक आधाम जोड़ने का एक सुझाव दिया है। हम चाहेंगे कि इस पर संभारता से विचार हो।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे यह भी कहना है कि एक तरफ विद्यार्थियों को बुलाकर तुरंत बातचीत की जाय वी विद्यार्थियों से भी अपील करना चाहता हूँ कि वे शांति से काम करें और किसी भी तरह की तोड़फोड़ या इस तरह के काम न करें, जिससे देश की सम्पत्ति को नुकसान हो। सरकार का फर्ज था, इतने दिन हो गए, एक हफ्ते से ज्यादा हो गया, उनको बातचीत के लिए बुलाना चाहिए

या, उनको बुलाकर बातचीत करें। यह भी जल्दी है कि एक राउण्ड टेबल मीटिंग होनी चाहिए, जिसमें पॉलिटिकल पार्टियाँ हों, संगठन, इकोनामिक एक्सपर्ट्स हों और उसमें भी इस पर चर्चा हो। मैं फिर यह कह रहा हूँ कि डायरेक्शन एक ही है—  
how to implement the Mandal Commission's recommendations.

यह डायरेक्शन है और इसके लिए जहाँ कहीं शंका है, जहाँ कहीं मतभेद है, उसके बारे में लोगों को स्पष्ट किया जाय।

उपसभापति महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूँ कि दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन ने यह घोषणा की है कि एक महोत्सव के लिए स्कूल और कॉलेज बन्द किए जाएँ। It will create panic. इससे हम विद्यार्थियों को, स्टूडेंट्स को सड़कों पर लाने की योजना बना रहे हैं। अगर वे स्कूल में, कॉलेज में नहीं जाएंगे तो वे सड़कों पर आयेंगे।

[उपसभापति पीठासीन हुईं]

महोदय, मुझे लगता है कि ऐसे पैनिक डिस्पीन जा रहे हैं, उनके अन्दर मन के अंदर की कोई कमजोरी है, जिस पर रिएक्शन कर रहे हैं। इसलिए मेरा यह कहना है कि इस तरह के डिस्पीन जो हैं, एडमिनिस्ट्रेशन को, सरकार को सोच-समझकर लेने चाहिए। हमारे देश में इस आन्दोलन को शांत करने के लिए तरीका यही है कि उन स्टूडेंट्स को बातचीत के लिए, डायलॉग के लिए बुलाएं। उस दिन प्रधान मंत्री जी ने माना भी था कि हम बुलायेंगे, लेकिन अभी तक नहीं बुलाया। उनको तुरंत बुलाना चाहिए। दूसरा सुझाव यह है कि एक राउण्ड टेबल कॉन्फ्रेंस हो, जिसमें इसके इन्वोल्वमेंट पर विचार हो और कुछ ऐसे कदम उठाएँ, जिससे सब लोगों की आशंकाओं को दूर किया जा सके। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

THE DEPUTY CHAIRMAN: YM, Mr. Bhandara

SHRI PASUMPON THA. KIRUT-TINAN (Tamil Nadu): Madam, I want to dissociate myself with what the honourable Member has said... (Interruptions)... On the very same day, when the Prime Minister announced about the implementation of the Mandal Commission's report, all the political parties in this House supported his statement... (Interruptions)... It seems it was only a lip-service... (Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Are you associating or dissociating?... (Interruptions)...

SHRI PASUMPON THA. KIRUT-TINAN: Now, some parties create disturbances in the country... (Interruptions)... Some parties are creating disturbances, some vested interests... (Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Excuse me. You want to dissociate? All right. O. K.... (Interruptions)... Yes, Mr. Ahluwalia.

SHRI PASUMPON THA. KIRUT-TINAN: We want to dissociate \_\_\_\_\_ (Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right. You are dissociating. I will call Mr. Ahluwalia now. Yes, Mr. Ahluwalia.

श्री सुरेन्द्र जीत सिंह अहलुवालिया बिहार: महोदय, इसी सदन के एक सदस्य जो बी० जे० पी० के सदस्य हैं बा० जैन वे पिछले पाँच दिनों से अनशन पर बैठे हुए हैं आमरण अनशन पर और उनको हालत दिन-पर-दिन बिगड़ती जा रही है। मेरी आपसे गुजारिश है कि उनके बारे में कुछ खोज-खबर ली जाये जो पिछले पाँच दिनों से अनशन पर बैठे हैं। वे कहते हैं कि जब तक मंडलकमीशन का यह विद्वान नहीं किया जाएगा 'वह मर जाएगा' आत्मदाह कर लेगा। तो उसके बारे में क्या सोच रहे हैं?... (व्यवधान)...

उपसभापति: उनके अनशन के लिए कहांकि खबर लें खाली। (व्यवधान)...

**श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलवालिया :**  
**प्लीज माथुर साहब आप एक**  
**मिनट बैठिए मैं एलाऊ करता हूँ।**

All of you, please take your seats.  
 Let me explain. In this House,  
 many Members raise their Special Mentions  
 and it is not necessary that you go along with  
 their opinion. You can go or you need go and  
 it is entirely up to you. It is entirely up to  
 you. The Member spoke about himself. So  
 you don't get agitated! If you don't agree with it,  
 don't agree with it. I am not asking you to  
 agree. But let him have his say....  
 (Interruptions).

Okay, you are dissociated. (Inter. nptions)  
 Agreed. Let me finish one matter.  
 (Interruptions) Just a minU-

**श्री सत्य प्रकाश भालवीय :** इससे  
 एक प्रश्न पैदा हुआ है कि इस सदन के  
 एक माननीय सदस्य डा० जे०के० जैन हैं  
 जिनका संबंध भारतीय जनता पार्टी से  
 है वह बात कब पर अनुशन पर बैठे हैं  
 और उनका मांग यह है कि मंडल कमिशन  
 की जो सिफारिशें हैं, उनके विरोध में  
 वह बैठे हुए। अभी शर्मा जी ने कहा  
 कि वह मंडल कमिशन की सिफारिशों का  
 समर्थन करते हैं ... (व्यवधान)...

**श्री कृष्ण लाल शर्मा :** बिल्कुल।

**श्री सत्य प्रकाश भालवीय :** लेकिन  
 उन्होंने कुछ कारणों को बताया कि उनकी  
 सफाई होनी चाहिए। ... (व्यवधान)...  
 छात्रों का सुनना चाहिए, वह बात तो  
 ठीक है लेकिन मैं सिर्फ एक बात जानना  
 चाहता हूँ कि चूंकि डा० जैन भारतीय  
 जनता पार्टी के सदस्य हैं, तो क्या डा०  
 जैन पार्टी की अनुमति से अनुशन पर बैठे  
 हैं या यह उनका अपना व्यक्तिगत राय  
 है?

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर**  
**प्रदेश) :** महोदय, मेरे दिल का नाम  
 लिया गया है तो मैं स्थिति साफ करना  
 चाहता हूँ डा० जैन के सर्वाल पर।

डा० जैन का यह कथन, जो उन्होंने बाद  
 में बदलता है, कि मंडल कमिशन की रिपोर्ट  
 वापिस हो, भारतीय जनता पार्टी इस बात  
 से बिल्कुल असहमत है। भारतीय जनता  
 पार्टी के नाते से हम मंडल कमिशन की  
 रिपोर्ट के साथी सहमत हैं। डा० जैन ने,  
 हम लोगों की दृष्टि से, यह मांग का कि  
 कि मंडल कमिशन की रिपोर्ट वापिस नहीं  
 चाहिए, गलती की है। पार्टी उसको  
 डिसएप्रूव करता है। उनसे मिलने के  
 लिए पार्टी की तरफ से दो लोग भेजे गए  
 हैं कि आपको अनुशन वापिस लेना चाहिए।  
 अब उन्होंने अनुशन आयद वापिस कर  
 लिया है या नहीं बिना है... (व्यवधान)

**श्री राम नरेश यादव :** डा० जैन के  
 खिलाफ अनुशासन हीनता की यह बारंबार  
 करने जा रहे हैं या नहीं? ... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter  
 is over. Some people support; some people  
 oppose. Now, Mr. M. C. Bhandare.  
 (Interruptions)

**श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलवालिया :**  
 महोदय, डा० जैन के अनुशन से प्रभावित  
 होकर ही आज संसद विद्यार्थी के छात्र  
 कह रहे हैं कि वह सामूहिक आत्मदाह  
 कर लेंगे। ... (व्यवधान)...

**श्री कृष्ण लाल शर्मा :** यह गलत बात  
 है। यह मैं भी कह सकता हूँ कि यह  
 आपके कहने से हो रहा है। ....  
 (व्यवधान)...

**श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलवालिया :**  
 तो यह जा छात्र आत्मदाह की बात कर  
 रहे हैं, इसे कैसे रोकेंगे?

SHRI H. HANUMANTHAPPA  
 (Karnataka): We are in a... (Interruptions)  
 Madam, why are we provoked? So many  
 parties support and so many oppose. But they  
 speak as one party. But if you are contradic-  
 ting things, then we are provoked.  
 (Interruptions)

**THE DEPUTY CHAIRMAN:** Now that matter is closed. I have called Mr. Bhandare. I have identified him.

श्रीमती सत्या बहिन : मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू नहीं करेंगे, तो इसके बाद प्रधान मंत्री क्या करेंगे ? (व्यवधान)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : जो सरकार है, उसमें भी लोग ऐसे हैं जो.... (व्यवधान)... लेकिन हम तो कहते हैं कि मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू होनी चाहिए .... (व्यवधान)....

श्रीमती सत्या बहिन : मंडल कमीशन लागू होगा या नहीं होगा ? .... (व्यवधान)....

**THE DEPUTY CHAIRMAN:** Now the matter is closed. Mr. Bhandare. (Interruptions)

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : मंडल डिप्टी चेयरमैन साहब, एक भारतीय बात ही गई जरा सी : मैंने वह घोषणा किया था कि जो वाइस चेयरमैन के पैरल पर हैं, जब वे ही चेयर का कदम नहीं मानते तो वह हमारे लिए बुरा ही बात है। मैंने देखा बाहर जाकर कि बहन जयन्ती नटराजन रो रही हैं, उनको बड़ा अफसोस हुआ। मैं समझता हूँ कि मर बात से उनको उस पहुंची। मैं क्षमा चाहता हूँ उनसे।

**THE DEPUTY CHAIRMAN:** Very good. वह अच्छी परम्परा रखी आपने इस मामले में। मैं आपकी चेयर को तरफ से न भारी हूँ। जयन्ती नटराजन हमेशा चेयर पर बैठती रहती हैं। यकीनन कोई बात होगी जो वह कहना चाहती हैं। मैं उन्हें परमिट कर देती क्योंकि मेरे पास दूसरा ब्रिजनेस था। I told her that I would allow her. इसने मैंने भी उम्मीद करूँगी कि मैंभर्य एक हमारे का दिल न छुआए तो ज्यादा बेजोर है क्योंकि रोने तक मामला जाए तो अफसोस नहीं लगता। .... (व्यवधान).... अब भंडारे जी को बोलने दीजिए।

Demand for a legislation for the formation of a consumer protection fund

SHRI MURLIDHAR CHANDRA KANT BHANDARE (Maharashtra): I rise to invite the attention of the Government to a very serious and gross problem of unjust enrichment at the cost of the common man who is the biggest consumer in the country. There are cases where various taxes and duties like the Excise Duty, Sales Tax, Customs Duty, etc are collected. The Agricultural Marketing Committees collect a lot of money. Then it happens that that levy turns out to be illegal. In the meantime, the amounts have been collected by either the manufacturers or the traders from the consumers themselves. For example, Sales Tax! which has been illegally collected by the Sales Tax authorities and which, in the meantime, has been corrected from the common man. is ordered to be refunded to the trader, likewise unjust -refunds are made to the manufacturer. They have neither any legal right nor any moral right for refund of this amount. The Supreme Court and the High Courts have held that neither the trader nor the manufacturer is entitled to the benefit of such refund and unjust enrichment thereby.

In spite of this position, I am amazed to find that a circular has been issued by the Ministry of Finance on the 28th of March, 1990, referring to an ancient circular of 10th of August, 1981, and saying that there is no provision for rejecting the referred claim on the ground that the sanction of the Government would result in a fortuitous benefit to the manufacturers. It is quite amazing. According to me, an explanation should come from the Government as to why, in the face of the Supreme Court and the High Court orders saving that the manufacturer or the trader is not entitled to such unjust enrichment, how this circular has come to be issued.

A modest estimate of the amount given is about Rs. 10, 000/- crores. Now